

13⁵/₂₅ - आपका पत्र पढ़ा है मूलतः आपका अरुण पंजी अरुण
 दाहिरी में रखा है दो-पुत्रा है। जो कि आपका दाया काम
 दो-पुत्रा - पुत्रि मूलतः रखा है दो-पुत्रा कारण
 अरुण पंजी 212 अरुण पंजी तरफ (निरुण) (अरुण)
 अरुण पंजी अरुण पंजी अरुण पंजी अरुण पंजी अरुण पंजी
 अरुण पंजी अरुण पंजी अरुण पंजी अरुण पंजी अरुण पंजी
 अरुण पंजी अरुण पंजी अरुण पंजी अरुण पंजी अरुण पंजी

उपस्थिति अधिकारी
 अरुण पंजी अरुण पंजी